अध्याय - 5 प्राकृतिक वनस्पति और वन्य प्राणी

स्मरणीय तथ्य

- जो वनस्पति मनुष्य की सहायता के बिना पैदा होती है तथा लंबे समय तक उस पर कोई मानवीय प्रभाव नहीं पड़ता अक्षत वनस्पति कहलाती है।
- उगाई गई फसलों तथा फलों एवं उपवनों को वनस्पति कहा जाता है किन्तु प्राकृतिक वनस्पति नहीं। क्योंकि ये स्वयं पैदा नहीं होते अपितु ये मुख्यतः मनुष्य द्वारा उगाए जाते हैं।
- भारत में पायी जानेवाली विभिन्न प्रकार की वनस्पतियाँ:-
  (a) उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन
  (b) उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन
  (c) उष्ण कटिबंधीय कंटिले वन तथा झाड़ियाँ।
  (d) पर्वतीय वन
  (e) मैंग्रोव वन
- गंगा ब्रह्मपुत्र डेल्टा क्षेत्र में विस्तृत वन क्षेत्र को सुंदरवन का डेल्टा क्षेत्र भी कहा जाता है।
- रॉयल बंगाल टाइगर सुंदरवन के डेल्टा में वन क्षेत्र में पाया जाने वाला प्रसिद्ध जानवर है
- उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन को मानसूनी वन भी कहा जाता है।
- भारत में वर्षा दक्षिण-पश्चिमी मानसून एवं पीछे हटते उत्तरपूर्वी मानसून से होती है।
- पर्वतीय वन क्षेत्रों में तापमान की कमी तथा ऊँचाई के साथ-साथ प्राकृतिक वनस्पति में भी अंतर दिखाई देता है।
- भारत विश्व का एकमात्र देश है जहाँ शेर तथा बाघ दोनों पाए जाते हैं।
- भारत में वनों का कुल क्षेत्रफल भारत के क्षेत्रफल का 21.05% है
- भारत में कुल 47000 विभिन्न जातियों पर पौधे पाए जाते हैं, जिसमें भारत का विश्व में दसवां स्थान है।
- भारत में लगभग 15000 फूलों के पौधे हैं जो विश्व के कुल फूलों के पौधों का 6% है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. विश्व में कुल कितने मुख्य जैव विविधता वाले देशों में से भारत एक है ?
a. 12 b. 13
c. 14 d. 15

2. भारत में कुल _____प्रकार की जातियों के पौधे पाए जाते हैं-
a. 47000 b. 45000
c. 42000 d. इनमें से कोई नहीं।

3. विश्व के कुल फूलों के पौधों का _____ प्रतिशत भारत में पाया जाता है
a. 7% b 11%
c. 10%। d. 6%

4. विश्व के कुल फूलों के कितने प्रकार भारत में पाए जाते हैं?
a. 15000 b. 12000
c. 18000 d. 17000

5. निम्न में से कौन से पौधे बिना फूलों के होते हैं -
a. फर्न b. शैवाल
c. कवक d. उपर्युक्त सभी।

6. वनस्पति तथा प्राणियों में विविधता के कारण है-
a. भूभाग b. मृदा
c. तापमान d. उपर्युक्त सभी।

7. निम्न में से किन कारणों से वनस्पति तथा प्राणी जगत में विविधता पाई जाती है ?
a. सूर्य का प्रकाश b. वर्षा
c. तापमान d. उपर्युक्त सभी।

8. सूर्य के प्रकाश की तीव्रता निम्न में से किस पर निर्भर करती है ?
a. उस स्थान के अक्षांश b. समुद्र तल से ऊँचाई
c. ऋतु d. उपर्युक्त सभी।

9. वनस्पति में विविधता तथा विशेषताएं निम्न में से किस पर निर्भर करती है-
a. तापमान b. वायु
c. a. तथा b. दोनों। d. इनमें से कोई नहीं।

10. बलुई मिट्टी में किस प्रकार की वनस्पति पनपती है?
a. कटीली झाड़ियां b. शंकु वन
c. a. तथा b. दोनों। d. इनमें से कोई नहीं।

11. वन की उपयोगिता निम्न में से क्या है?
a. स्थानीय जलवायु नियंत्रण
b. मृदा अपरदन को रोकना
c. नदियों की धारा को नियंत्रित करना
d. उपर्युक्त सभी।

12. पर्वतों की ढलान में जहाँ मृदा की परत गहरी होती है किस प्रकार के वन पाए जाते हैं?
a. शंकुधारी वन b. पर्णपाती वन
c. कटिली झाड़ियां d. इनमें से कोई नहीं।

13. नदी के डेल्टा क्षेत्र में किस प्रकार की वनस्पति पाई जाती है ?

a. कंटीली झाड़ियां b. मैंग्रोव

c. शंकुधारी वन d. उपर्युक्त सभी।

14. सिमलीपाल जीव मंडल निचय कौन से राज्य में स्थित है?

a. पंजाब b. दिल्ली

c. उड़िसा d. पश्चिम बंगाल

15. उष्णकटीबंधीय वन में वर्षा होती है-

a. 200 सेंटीमीटर से अधिक।

b. 100 सेंटीमीटर से अधिक।

c. 150 सेंटीमीटर से अधिक।

d. इनमें से कोई नहीं।

16. उष्णकटीबंधीय वर्षा वन में वृक्षों की ऊँचाई कितनी होती है ?

a. 60 मीटर b. 100 सेंटीमीटर

c. 50 सेंटीमीटर d. इनमें से कोई नहीं।

17. उष्णकटीबंधीय वर्षा वन में पाए जाने वाले वृक्ष हैं -

a. अबानुस b. महोगनी

c. रबर d. उपर्युक्त सभी।

18. निम्न में से किस वन क्षेत्र को मानसूनी वन की संज्ञा दी जाती है?

a. उष्णकटीबंधीय पर्णपाती वन

b. पर्वतीय वन

c. उष्णकटीबंधीय वर्षावन

d. इनमें से कोई नहीं।

19. उष्णकटीबंधीय पर्णपाती वन में वर्षा होती है -

a. 200 सेंटीमीटर से अधिक

b. 70 सेंटीमीटर - 200 सेंटीमीटर से अधिक

c. 70 सेंटीमीटर से कम

d. इनमें से कोई नहीं।

20. उष्णकटीबंधीय पर्णपाती वन निम्न में से हैं –

a. आर्द्र पर्णपाती वन

b. शुष्क पर्णपति वन

c. विकल्प a.तथा b.दोनों।

d. इनमें से कोई नहीं।

21. आर्द्र पर्णपाती वन में वर्षा होती है-

a. 100 सेंटीमीटर से 200 सेंटीमीटर

b. 200 सेंटीमीटर से 300 सेंटीमीटर

c. 50 सेंटीमीटर से 100 सेंटीमीटर

d. इनमें से कोई नहीं।

22. शुष्क पर्णपाति वन में वर्षा होती है-

a. 70 सेंटीमीटर से 100 सेंटीमीटर

b. 50 सेंटीमीटर से 100 सेंटीमीटर

c. 100 सेंटीमीटर से 200 सेंटीमीटर

d. इनमें से कोई नहीं।

23. उष्णकटिबंधीय वर्षा वन में पाए जाने वाले वृक्ष हैं -

a. साल b. सागोन

c. चंदन d. उपर्युक्त सभी।

24. कंटीले वृक्ष तथा झाड़ी वाले क्षेत्रों में वर्षा होती है-

a. 70 सेंटीमीटर से कम

b. 70 सेंटीमीटर से अधिक

c. 100 सेंटीमीटर तक

d. 50 सेंटीमीटर तक

25. आकासिया, खजूर, नागफनी किस प्रकार की वन की वनस्पतियां है?

a. उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन

b. उष्णकटिबंधीय वर्षा वन

c. कंटीले वन तथा झाड़ियां

d. इनमें से कोई नहीं।

26. कंटीले वन तथा झाड़ियां में निम्न में से कौन सी विशेषता पाई जाती है

a. लंबी जड़ें b. छोटी पत्तियां

c. मोटे गद्देदार तने d. उपर्युक्त सभी।

27. कंटीले वन तथा झाड़ियों वाला प्रदेश है

a. गुजरात b. राजस्थान

c. छत्तीसगढ़ d. उपर्युक्त सभी।

28. साल, सागोन, पीपल, चंदन, शीशम वनस्पतियां किस प्रकार की वनों में पाई जाती है?

a. उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन

b. पार्वतीय वन

c. कटिले वन तथा झाड़ियां

d. इनमें से कोई नहीं।

29. गुजरात, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में पाई जाने वाली वनस्पतियां हैं -

a. आर्द्र पर्णपाती वन

b. कटीले वन तथा झाड़ियां

c. पर्वतीय वन

d. उष्णकटिबंधीय वर्षावन

30. पर्वतीय वन के प्रकार हैं–

a. आर्द्र शीतोष्ण कटिबंधीय वन

b. शंकुधारी वन

c. अल्पाइन वन

d. उपर्युक्त सभी।

31. पर्वतीय वनों में 1500 मीटर से 3000 मीटर तक की ऊँचाई में _____ प्रकार के वन पाए जाते हैं -

a. शंकुधारी वन

b. अल्पाइन वन

c. शीतोष्ण कटिबंधीय वन

d. इनमें से कोई नहीं।

32. पर्वतीय वनों में 1000 मीटर से 2000 मीटर तक_____ वन पाए जाते हैं-

a. आर्द्र शीतोष्ण कटिबंधीय वन
b. शंकु धारी वन
c. अल्पाइन वन
d. इनमें से कोई नहीं।

33. पर्वतीय वनों में 3600 मीटर से अधिक की ऊँचाई पर _____& प्रकार के वन पाए जाते हैं।

a. शंकु धारी वन b. अल्पाइन वन
c. आर्द्र शीतोष्ण कटिबंध d. इनमें से कोई नहीं।

34. देवदर, सिल्वर, फर और सीडर किस प्रकार के वन के उदाहरण है ?

a. पर्वतीय वन
b. उष्णकटिबंधीय वर्षावन
c. उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन
d. इनमें से कोई नहीं।

35. 3600 मीटर से अधिक ऊँचाई पर पाए जाने वाली वनस्पतियां हैं–

a. मॉस b. लिचन घास
c. टुण्ड्रा वनस्पति d. उपर्युक्त सभी।

36. तटवर्ती क्षेत्र जहाँ ज्वार भाटा आते हैं वहाँ की महत्वपूर्ण वनस्पति है-

a. मैंग्रोव वन b. सागवान
c. शीशम d. इनमें से कोई नहीं।

37. सुंदरवन के डेल्टा क्षेत्र में पाई जाने वाली वनस्पति है -

a. शीशम b. मैंग्रोव वन
c. अल्पाइन वन d. साल

38. सुंदरी वृक्ष किस नदी के डेल्टा क्षेत्र में पाई जाती है?

a. गंगा ब्रह्मपुत्र का डेल्टा
b. महानदी का डेल्टा
c. गोदावरी का डेल्टा
d. कृष्णा नदी का डेल्टा

39. सुंदरवन डेल्टा क्षेत्र में पाए जाने वाला प्रसिद्ध जानवर है–

a. रॉयल बंगाल टाइगर b. तिब्बती बारहसिंगा
c. याक d. आईबैक्स

40. किस प्रकार की वनस्पति की जड़ों पानी में डूबी रहती है?

a. मैंग्रोव वन
b. आर्द्र शीतोष्ण वन
c. उष्णशीतोष्ण कटिबंधीय वन
d. कंटिले वन

41. विश्व में पाई जाने वाली पक्षियों की कुल प्रजातियों कुल कितना प्रतिशत भारत में पाया जाता है?

a. 15% b. 12%
c. 13% d. 18%

42. विश्व में पाए जाने वाली मछलियों की कुल प्रजातियों का कितना प्रतिशत भारत में पाया जाता है?

a. 10% b. 12%
c. 15% d. 18%

43. भारत जीव सुरक्षा अधिनियम कब लागू किया गया था?

a. 1970 ई. b. 1971 ई.
c. 1972 ई. d. 1975 ई.

44. विश्व का एकमात्र देश जहाँ पर शेर तथा भाग दोनों पाए जाते हैं?

a. चीन b. जापान
c. अमेरिका d. भारत

45. एक सींग वाला गैंडा भारत के किस राज्य में पाया जाता है?

a. मेघालय b. असम
c. मणिपुर d. नागालैंड

46. गिर जंगल किस राज्य में अवस्थित है?

a. महाराष्ट्र b. पश्चिमबंगाल
c. गुजरात d. राजस्थान

47. भारत में कुल कितने जीव मंडल निचय स्थापित किए गए हैं?

a. 18 b. 19
c. 20 d. 17

48. भारत में राष्ट्र के पादप और जीव संपदा की संरक्षण के लिए कितने नेशनल पार्क बनाए गए हैं?

a. 105 b. 106
c. 103 d. 107

49. राष्ट्र के पादप और जीव संपदा के संरक्षण के लिए कुल कितने वन्य प्राणी अभय वन बनाए गए हैं?

a. 550 b. 540
c. 560 d. 535

50. गुर्जर और बकरवाल निम्न में से किन की प्रजातियां है?

a. मछलियों की b. घुमक्कड़ जातियों की
c. पक्षियों की d. घास वाले मैदाने की

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर

1. a	2. a	3. d	4. a
5. d	6. d	7. d	8. d
9. c	10. a	11. d	12. a
13. b	14. c	15. a	16. a
17. d	18. a	19. b	20. c
21. a	22. a	23. d	24. a
25. c	26. d	27. d	28. a
29. b	30. d	31. a	32. a
33. b	34. a	35. d	36. a
37. b	38. a	39. a	40. a
41. c	42. b	43. c	44. d

45. b 46. c 47. a 48 c
49. d 50. b

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. मानसूनी वन किसे कहा जाता है

उत्तर- उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वनों को मानसूनी वन की संज्ञा दी जाती है।

2. गंगा ब्रह्मपुत्र के डेल्टा को अन्य किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर- गंगा ब्रह्मपुत्र के डेल्टा को सुंदरवन के डेल्टा के नाम से जाना जाता है।

3. सुंदरवन में पाए जाने वाले प्रसिद्ध जानवर का नाम बताएं।

उत्तर- सुंदरवन में प्रसिद्ध रॉयल बंगाल टाइगर नामक जानवर पाया जाता है।

4. भारत जीव सुरक्षा अधिनियम किस वर्ष लागू किया गया था?

उत्तर- भारत जीव सुरक्षा अधिनियम सन 1972 में लागू किया गया था।

5. देशज वनस्पति से क्या तात्पर्य है?

उत्तर- वह वनस्पति जो मूल रूप से भारतीय है उसे देशज वनस्पति कहा जाता है।

6. विदेशज वनस्पति से क्या समझते हैं?

उत्तर- वैसी वनस्पति जो मूल रूप से भारत में उत्पन्न नहीं हुई है बल्कि भारत के बाहर से लाई गई है उन्हें विदेशज वनस्पति कहते हैं।

7. इंडिया स्टेट ऑफ़ फारेस्ट रिपोर्ट 2011 के अनुसार भारत में वनों का कुल क्षेत्रफल ,भारत के क्षेत्रफल का कितना प्रतिशत है?

उत्तर- 21.05 प्रतिशत

8. विश्व के कुल पक्षियों के प्रजातियों का कितना प्रतिशत भारत में पाया जाता है?

उत्तर- 13 प्रतिशत

9. विश्व की मछलियों की प्रजातियां का कितना प्रतिशत भारत में पाया जाता है?

उत्तर- 12 प्रतिशत

10. विश्व का कौन सा एकमात्र देश है जहां पर शेर तथा बाघ दोनों पाए जाते हैं?

उत्तर- भारत

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. अक्षत वनस्पति किसे कहते हैं?

उत्तर- वनस्पति का वह भाग जो कि मनुष्य की सहायता के बिना अपने आप पैदा होता है और लंबे समय तक उसे पर मानवीय प्रभाव नहीं पड़ता, इस अक्षत वनस्पति कहते हैं। इसीलिए विभिन्न प्रकार की कृषि फसले,फल और बागान वनस्पति का भाग तो है परंतु प्राकृतिक वनस्पति नहीं है।

2. वनस्पति जगत तथा प्राणी जगत से क्या तात्पर्य है। वनस्पति तथा प्राणियों में पाई जाने वाली विविधता के कारणों का उल्लेख करें

उत्तर- वनस्पति जगत शब्द का अर्थ किसी विशेष क्षेत्र में, किसी समय में पौधे की उत्पत्ति से है ।इसी तरह प्राणी जगत जानवरों के विषय में बतलाता है। वनस्पति तथा वन्य प्राणियों में इतनी विविधता निम्नलिखित कारणों से है -

भूभाग

मृदा

तापमान

सूर्य का प्रकाश

वर्षा

3. भारत में पाई जाने वाली वनस्पति के प्रकारों के बारे में बताएं।

उत्तर- भारत में पाई जाने वाली वनस्पतियां निम्नलिखित है

उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन

उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन

कटीले वन तथा झाड़ियां

पर्वतीय वन

मैंग्रोव वन

4. वनों की उपयोगिता के बारे में बताएं।

उत्तर- वन अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इनकी उपयोगिता निम्नलिखित है -

स्थानीय जलवायु का नियंत्रण

मृदा अपरदन को रोकना

नदियों की धारा को नियंत्रित करना

पर्यटन को बढ़ावा देना

वर्षा लाने में सहायक

मृदा को जीवाश्म प्रदान करना

5. कटीले वन तथा झाड़ी वाली वनस्पति की विशेषताएं बताएं।

उत्तर- जिन क्षेत्रों में 70 सेंटीमीटर से कम वर्षा होती है वहां प्राकृतिक वनस्पति में कटीले वन तथा झाड़ियां पाई जाती है।इस प्रकार के वनस्पति देश के उत्तर पश्चिमी भागों में पाई जाती है जिनमें गुजरात, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश तथा अर्ध शुष्क क्षेत्र सम्मिलित है।

विशेषताएं -

इनकी जोड़ी लंबी होती हैं।

पत्तियां प्राय और कुछ पौधों में कांटेदार होती है।

इनमें वाष्पीकरण की क्रिया अत्यंत धीमी होती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. उष्ण कटिबंधीय वर्षा वन के बारे में विस्तार से चर्चा करें

उत्तर- उष्ण कटिबंधीय वर्षा वन 200 सेमी से अधिक वर्षा के साथ थोड़े समय के लिए शुष्क ऋतु वाले क्षेत्रों में पाए जाते है। इन वनों में वृक्ष 60 मी० या इससे अधिक ऊँचाई तक पहुँचते हैं। वर्ष भर गर्म तथा आद्र जलवायु होने के कारण यहाँ हर प्रकार की वृक्ष, वनस्पति, लताएँ और झाड़ियाँ उगती हैं। वृक्षों में पतझड़ होने का समय निश्चित नहीं होने के कारण यह वन सालों भर हरे-भरे लगते हैं। इन वनों में पाए जाने वाले वृक्ष हैं -आबनूस, महोगनी, रोजवुड, रबड़ और सिंकोना है । इन वनों में पाए जाने वाले जानवर हाथी, बंदर लैगूर और हिरण हैं। एक सींग वाले गैंडे, असम और पश्चिमी बंगाल के दलदली क्षेत्र में मिलते हैं।

2. उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन के बारे में विस्तृत चर्चा किजीए।

उत्तर- उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन भारत के सबसे बड़े क्षेत्र में फैले हुए हैं। इन्हें मानसूनी वन भी कहते हैं। जब ये वन 70c.m से 200c.m तक वर्षा वाले क्षेत्रों में फैले हुए हैं।

उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन को जल को उपलब्धि के आधार पर दो भाग में वर्गीकृत किया जा सकता है -

(a) **आद्र पर्णपाती वन -** जहाँ 100 से० मी० से 200 से० मी० तक वर्षा होती है, वहाँ आद्र पर्णपाती वन पाए जाते हैं। इन वनों का विस्तार देश के पूर्वी भागों, उत्तरी-पूर्वी राज्यों, झारखंड, पश्चिमी उड़ीसा, छत्तीसगढ़ तथा पश्चिमी घाटों के पूर्वी ढालों में पाए जाते हैं सागोन, साल, शीशम, चंदन, कुसुम, अर्जुन तथा शहतूत इस वन में पाए जाने वाले प्रमुख वृक्ष हैं।

(b) **शुष्क पर्णपाती वन -** जहाँ वर्षा 70 से० मी० से 100 से० मी० के बीच होती है, वहीं शुष्क पर्णपाती वन पाए जाते हैं। ये वन उत्तर प्रदेश तथा बिहार के मैदानी इलाकों में विस्तृत हैं। सागोन, साल, पीपल, नीम जैसे महत्वपूर्ण वृक्ष शुष्क पर्णपाती वन में पाए जाते हैं।

3. मैंग्रोव वन के क्षेत्र विस्तार तथा विशेषताओं के बारे में चर्चा करें।

उत्तर- मैंग्रोव वन तटवर्तीय क्षेत्रों में जहाँ ज्वार भाटा आते हैं, पाए जाते हैं। घने मैंग्रोव वन की जड़ें पानी में डूबी रहती है। गंगा, ब्रह्मपुत्र, महानदी, गोदावरी, कृष्णा तथा कावेरी नदियों के डेल्टा में यह वनस्पति मिलती है। नारियल, ताड़ तथा सुंदरी वृक्ष मैंग्रोव वन में पाए जाते हैं। इस क्षेत्र का रॉयल बंगाल टाइगर प्रसिद्ध जानवर है। कछुआ, मगरमच्छ, घड़ियाल तथा कई प्रकार के सरीसृप मैंग्रोव वन के विशेषताएँ हैं। सुंदरी वृक्ष के कारण गंगा ब्रह्मपुत्र नदी क्षेत्र के डेल्टा में पाए जाने वाले वन क्षेत्र को सुंदर वन या मैंग्रोव डेल्टा वन के नाम सेभी जाना जाता है। ज्वारीय क्षेत्र होने के कारण इन तटवर्ती क्षेत्रों में मिट्टी और बालू तटों पर एकत्रित हो जाते हैं।

4. भारत में पाए जाने वाले विभिन्न प्राकृतिक वनस्पतियों के नाम लिखते हुए ,उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन के बारे में विस्तृत चर्चा करें। साथ ही सभी प्राकृतिक वनस्पतियों को मानचित्र में प्रदर्शित करें।

उत्तर- भारत में पांच प्रकार की प्राकृतिक वनस्पतियां पाई जाती है:-

a. उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन
b. उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन
c उष्ण कटिबंधीय कंटीले वन तथा झाड़ियां
d. पर्वतीय वन
e. मंग्रोव वन

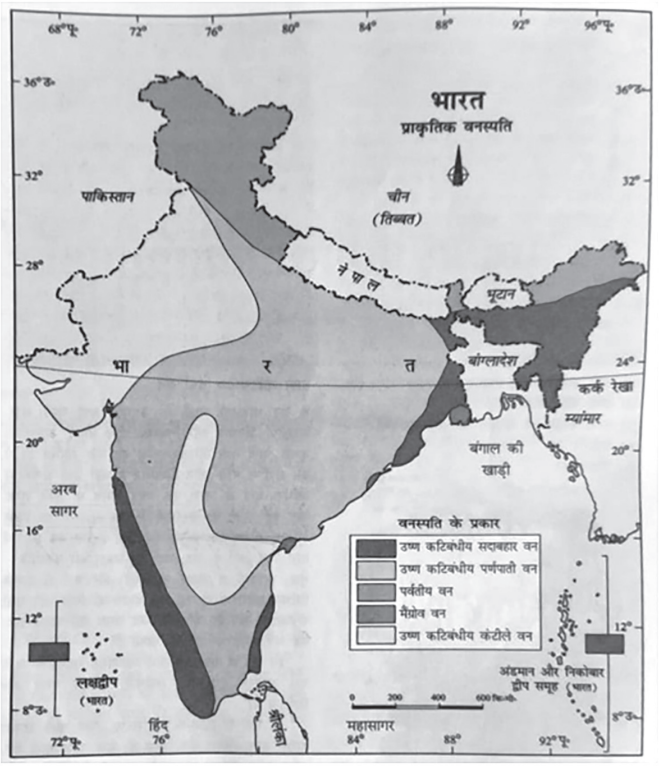

a उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन :- उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन भारत के उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहां वर्षा 200 सेंटीमीटर से अधिक होती है। साथ ही थोड़े समय के लिए शुष्क ऋतु पाई जाती है। इन वन क्षेत्र में वृक्षों की ऊंचाई 60 मीटर तक होती है। इन वन क्षेत्र में सभी वृक्षों के पतझड़ का कोई निश्चित समय नहीं होता अतः यह वृक्ष साल भर हरे भरे रहते हैं। उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन में व्यापारिक महत्व के वृक्ष अबानूस, महोगनी, रोजवुड, रबड़ और सिनकोना पाए जाते हैं । इन वन क्षेत्र में पाए जाने वाले जंगली जानवर एक सींग वाले गैंडा, हाथी, बंदर, लंगूर तथा हिरण है।